पाठ योजना (पद्य)

दिनांक:

कक्षा: सातवीं

विषय:हिंदी

प्रकरण:पंछी उन्मुक्त गगन के

सामान्य उद्देश्य :

१)विद्यार्थियों में स्वर प्रवाह तथा भावों के अनुकूल कविता पाठ करने की योगिता विकसित करना|

२)उनमें सौन्दर्यानुभूति को विकसित करना|

३)कविता के भाव पक्ष और कला पक्ष की पहचान कर सकें|

४)उनमें कल्पना शक्ति का विकास करना|

विशिष्ट उद्देश्य :

१)विद्यार्थी कविता का रसास्वादन लेते हुए स्वतंत्रता(सन्देश)के महत्व को समझकर अनुभव कर सकें|

२)प्रस्तुत कविता में निहित भाव पक्ष और कला पक्ष को पहचान सकें|

सहायक सामग्री:विषय से सम्बंधित चार्ट तथा चित्र|

प्रस्तावना:

कक्षा में काव्यमयी वातावरण बनाने हेतु अध्यापक प्रस्तुत कविता से साम्य रखने वाली अन्य एक कविता का पाठ करते हुए चार्ट दिखाकर निम्नलिखत प्रश्न पूछेगा-

प्रश्ण१) पिंजड़े के बाहर दुनिया कैसी है?(चार्ट की ओर अंकित करते हुए)

प्रश्न२) चिड़िया क्या चाहती है ?

प्रश्ण३) प्रस्तुत कविता किस की ओर इशारा कर रही है?

उद्देश्य कथन :अध्यापक प्रकरण की घोषणा करते हुए कविता का शीर्षक 'पंछी उन्मुक्त गगन के' श्वेत पट पर लिखेगा|

प्रस्तुतीकरण :

अध्यापक उचित स्वर,लय,हाव-भाव एवं आरोह-अवरोह के साथ कविता विशेष का आदर्श पाठ करेगा ओर विद्यार्थियों से ध्यानपूर्वक उसकी ओर देखने तथा सुनने को कहेगा|अब अध्यापक विद्यार्थियों से पथ्य पुस्तक खोलने तथा सही पृष्ठ निकालने के लिए कहेगा ओर पुनः आदर्श पाठ करेगा|इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा अनुकरण पाठ कराएगा|फिर अध्यापक और विद्यार्थी एक साथ एक स्वर में कविता का पाठ करेंगे |इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में अध्यापक विशेषण और भावात्मक शब्दों पर विशेष रूप से बल देगा और विद्यार्थियों को उनसे अवगत कराएगा|

भाव विचार विश्लेषण:

अब अध्यापक विद्यार्थियों को विभिन्न समूहों में विभाजित करेगा और फिर कविता से सम्बंधित चित्र दिखाकर प्रत्येक समूह से एक -एक विद्यार्थी को चित्र में निहित भावों से सम्बंधित पंक्ति पुस्तक में पहचान कर पढ़ने के लिए कहेगा|

मूल्यांकन:

विद्यार्थी कविता में निहित भाव पक्ष तथा कला पक्ष को कहाँ तक आत्मसात कर पाया है,यह जान्ने के लिए अध्यापक निम्नलिखित प्रश्न पूछेगा-

प्रश्ण१)पंछी को किस बात का भय है?

प्रश्न२) पंछी की कल्पना का को किस प्रकार दर्शाया गया है?

प्रश्ण३)कविता में लिखित समान स्वर वाले शब्द कौनसे हैं?

अंत में अध्यापक और विद्यार्थी फिर एक बार मिलकर कविता का गान करते हुए कक्षा में काव्यमयी वातावरण की छाप छोड़ जायेंगे|